सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 8 • अंकः 66 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, शनिवार, 9 अप्रैल, 2022

मूल्य ₹ 3/-

बंधुओं! हम मौत को बुरा नहीं कहते, यदि हम जानते कि वास्तव में मरा कैसे जाता है।

–श्री गुरु नानक देव

और गर्म हुए सूरज के तेवर, पारे... 7 | बदला नजर आएगा विधान सभा... 3 | यूपी में महंगाई नियंत्रित करने... 2

मायावती को भेजा था गठबंधन का न्योता पर नहीं दिया जवाबः राहुल

» सीएम पद का भी दिया था ऑफर, ईडी-सीबीआई के डर से नहीं लड़ीं बसपा प्रमुख

» चुनाव में करारी शिकस्त के बाद कांग्रेस नेता ने किया बड़ा खुलासा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी विधान सभा चुनाव में करारी शिकस्त के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज बड़ा खुलासा किया। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले कांग्रेस, बसपा के साथ गठबंधन करना चाहती थी। मायावती को सीएम पद का ऑफर भी दिया गया था लेकिन उन्होंने जवाब तक नहीं दिया।

दिल्ली के जवाहर भवन में द दलित टूथ नामक पुस्तक के विमोचन मौके पर राहुल गांधी ने कहा कि मायावती ने इस बार चुनाव लड़ा ही नहीं है। हमारी तरफ से उन्हें गठबंधन का प्रस्ताव दिया गया था। हमने ये भी कहा था कि वे मुख्यमंत्री बन सकती हैं लेकिन उन्होंने हमारे प्रस्ताव पर कोई जवाब नहीं दिया। राहुल ने दावा किया कि मायावती ईडी, सीबीआई के डर से अब लड़ना नहीं चाहती हैं। उन्होंने भाजपा को खुला मैदान दे दिया। कांशीराम थे जिन्होंने दलितों की आवाज उठाई। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं, भले ही उन्होंने कांग्रेस को उस वक्त नुकसान पहुंचाया लेकिन उन्होंने दलितों की आवाज उठाई। आज उन्हीं के खून पसीने से बनाई पार्टी की मायावती कहती हैं कि मैं चुनाव ही नहीं लड़ूंगी क्यों...क्योंकि इस बार उनके पीछे ईडी, सीबीआई और पेगासस सब थे। राहुल गांधी का चुनावी नतीजों के बाद आया ये बयान काफी मायने रखता है। सवाल ये भी है कि अगर चुनाव से पहले बसपा का कांग्रेस के गठबंधन होता तो क्या जमीन पर स्थिति बदलती, क्या दोनों पार्टियों का प्रदर्शन ज्यादा बेहतर हो पाता? अब राहुल गांधी ने इस मुद्दे को उठाकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज कर दी है।

पिछले चुनाव की तुलना में दस फीसदी कम मिले वोट

यूपी विधान सभा चुनाव 2022 में बसपा को पिछले चुनाव से 10 फीसदी कम वोट मिले। बसपा का वोट शेयर महज 12 फीसदी रह गया था जो 2017 में 22 फीसदी था। इस सबके ऊपर मायावती का कोर वोटर जाटव भी भाजपा के साथ चला गया था। ऐसे में न मुस्लिमों का वोट मिला, न ब्राह्मण साथ आए और न ही जाटव का समर्थन मिला।

अपने दम पर लड़ी थी बसपा-कांग्रेस

उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में कांग्रेस और बसपा अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ी थीं। दोनों ही पार्टियों को इस चुनाव में करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। एक तरफ अगर कांग्रेस दो सीट जीत पाई है तो मायावती की बसपा ने तो अपना सबसे खराब प्रदर्शन करते हुए सिर्फ एक सीट जीती। चुनावी नतीजों के बाद बसपा प्रमुख मायावती ने जरूर मुसलमानों का जिक्र किया, ये भी कह दिया था कि उनका वोट एकतरफा सपा को चला गया लेकिन तब मायावती ने इस प्रस्ताव के बारे में कोई बात नहीं की थी।

जनता को ईंधन से निर्धन बना रही भाजपाई महंगाईः अखिलेश

» पीएम मोदी पर भी कसा तंज, पूछा, नसीबवाली उपलब्धि की होर्डिंग कब लगा रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में बढ़ती महंगाई को लेकर सपा प्रमुख और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने आज भाजपा सरकार पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपाई महंगाई जनता को निरंतर ईंधन से निर्धन कर रही है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ट्वीट किया, ईंधन के बेतहाशा बढ़ते दामों पर जब न कोई सरकारी नियंत्रण, न शासन, न प्रशासन, न प्रबंधन, न ही नियमन है और अगर सब कुछ बाजार के हवाले ही है तो फिर पेट्रोल, डीजल, गैस का मंत्रालय किसलिए। इस मंत्रालय को तत्काल भंग कर देना चाहिए। भाजपाई–महंगाई जनता को निरंतर ईंधन से निर्धन कर रही है। इसके पहले उन्होंने पीएम मोदी के एक बयान को लेकर तंज भी कसा था। उन्होंने ट्वीट किया था, भाजपाई महंगाई ने बनाया कीर्तिमान। एलपीजी दुनिया भर में सबसे महंगी व पेट्रोल ने तीसरे सबसे महंगे बिकने का रिकॉर्ड बनाया। भाजपा इस नसीबवाली उपलब्धि के होर्डिंग कब लगा रही है? दरअसल, एक बार अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई थी, जिसके बाद पेट्रोल–डीजल की कीमतें सस्ती हो गई थीं। इस दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा था कि विपक्ष कह रहा है कि मोदी नसीब वाला है। यदि मोदी के नसीब से देश की जनता की जेब में कुछ रुपये बचते हैं तो इससे अच्छा क्या होगा।

तेल के दामों पर जब सरकारी नियंत्रण नहीं तो भंग कर दें मंत्रालय

एमएलसी चुनावः मतदान के बाद बोले सीएम योगी

भाजपा को मिलेगा प्रचंड बहुमत

» कल्याणकारी योजनाओं को तेजी से लागू करने में सक्षम होगी सरकार

» 27 सीटों पर वोटिंग, 12 अप्रैल को मतगणना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। विधान परिषद सदस्यों के चुनाव के लिए आज मतदान हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी गोरखपुर में मतदान किया। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि चार दशक बाद ऐसा पहली बार होगा जब किसी सत्ताधारी दल का विधान परिषद में भी प्रचंड बहुमत होगा। सरकार विकास एवं लोककल्याण की योजनाओं को और तेजी से लागू करने में सक्षम हो सकेगी।

मुख्यमंत्री आज सुबह गोरखपुर–महराजगंज स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी पद के चुनाव में मतदान करने के लिए नगर निगम स्थित बूथ पर पहुंचे। मतदान करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने 36 सीटों पर चुनाव की अधिसूचना जारी की थी। नौ सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार निर्विरोध जीत दर्ज कर चुके हैं। 27 सीटों पर वोट डाले गए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार अधिकतर सीटों पर भाजपा प्रत्याशी जीतेंगे। मतगणना 12 अप्रैल को होगी।

नौ सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों का निर्विरोध जीतना तय

नौ सीटों पर भाजपा के प्रत्याशियों का निर्विरोध चुना जाना तय है। जिसमें श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत मिर्जापुर-सोनभद्र, ओम प्रकाश सिंह मथुरा-एटा-मैनपुरी, आशीष यादव मथुरा-एटा-मैनपुरी, वागीश पाठक बदायूं, अशोक अग्रवाल हरदोई, अनूप गुप्ता लखीमपुर खीरी, जितेंद्र सिंह सेंगर बांदा-हमीरपुर, ऋषिपाल सिंह अलीगढ़, नरेन्द्र भाटी बुलंदशहर शामिल हैं।

रामगोपाल ने उठाए सवाल कहा, निष्पक्ष चुनाव हुए तो सभी सीटें जीतेगी सपा

सैफई में सपा के राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने मतदान किया। मतदान के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर निष्पक्ष चुनाव हुए तो समाजवादी पार्टी सभी सीटें जीतेगी।

यूपी में महंगाई नियंत्रित करने में जुटी सरकार

» 31 दिसंबर तक लागू रहेगी खाद्य तेल और तिलहन पर स्टाक सीमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार की अधिसूचना के क्रम में खाद्य तेलों और तिलहनों की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने का प्रयास प्रारंभ कर दिया है। प्रदेश सरकार ने कमिश्नर तथा डीएम को सभी जगह पर स्टाक सीमा सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है। केंद्र सरकार की अधिसूचना के क्रम में अब प्रदेश में भी खाद्य तेल और तिलहन पर स्टाक सीमा इस साल 31 दिसंबर तक लागू रहेगी। यह निर्णय खाद्य तेलों और तिलहनों की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए किया गया है।

प्रदेश के खाद्य आयुक्त सौरभ बाबू की ओर से मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और संभागीय खाद्य नियंत्रकों को इस बारे में आदेश जारी कर दिया गया है। केन्द्र सरकार ने बीती एक अप्रैल को इस बारे में अधिसूचना जारी की थी। खाद्य आयुक्त की ओर से जारी आदेश के अनुसार खाद्य तेलों की स्टाक सीमा खुदरा विक्रेताओं के लिए 30 क्विंटल, थोक विक्रेताओं के लिए 500 क्विंटल, खुदरा विक्रेताओं की दुकानों की बड़ी चेन के लिए 30 क्विंटल और डिपो के लिए 1000 क्विंटल निर्धारित की गई है। वहीं तिलहन की स्टाक सीमा खुदरा व्यापारियों के लिए 100 क्विंटल, थोक विक्रेताओं के लिए 2000 क्विंटल तय की गई है। खाद्य तेलों के प्रोसेसर अपनी भंडारण क्षमता के 90 दिनों तक का स्टाक कर सकते हैं। तिलहन के प्रोसेसर दैनिक उत्पादन क्षमता के अनुसार खाद्य तेलों के 90 दिनों के उत्पादन के लिए स्टाक रख सकते हैं।

कौशल विकास मिशन को भी देगी रफ्तार

लखनऊ। प्रदेश में कौशल विकास मिशन को अब जिलों से रफ्तार दी जाएगी। यूपी सरकार ने इसके लिए तैयारी भी कर ली है। इसके लिए उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन का विकेंद्रीकरण किया जाएगा। योजना के तहत युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार देने का प्लान तैयार कर उनका क्रियान्वयन जिले स्तर से होगा। इस प्लान को अगले 100 दिन में लागू करने की योजना है। मिशन ने चालू वित्तीय वर्ष में पांच लाख युवाओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा है। पिछले वित्तीय वर्ष में यह लक्ष्य 3.5 लाख का था। मिशन निदेशक आंद्रा वामसी का कहना है कि इससे अधिक से अधिक युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। वहीं स्थानीय जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षण देने वाली संस्थाएं भी जिले से जुड़ सकेंगी। ऐसे में युवकों को हर काम के लिए लखनऊ स्थित राज्य कार्यालय आने की जरूरत नहीं होगी। डिस्ट्रिक्ट स्किल डेवलपमेंट प्लान के तहत जिलों की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम चलेंगे।

केशव मौर्य के काफिले की गाड़ियों पर छपरा में पथराव

» सम्राट अशोक की जयंती में शामिल होने पटना गए थे डिप्टी सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के काफिले की गाड़ियों पर बिहार के छपरा में पथराव हुआ है। इसमें दो गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई है। हालांकि सभी लोग सुरक्षित हैं। घटना के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। पटना से छपरा तक खलबली मच गई। मामले में क्षतिग्रस्त गाड़ियों को छपरा जिला प्रशासन ने अपने कब्जे ले लिया। इस घटना में पुलिस ने विकास नाम के एक युवक को हिरासत में लिया है। बता दें कि सम्राट अशोक की जयंती में शामिल होने के लिए केशव प्रसाद मौर्य पटना आए थे।

इसी बीच डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के काफिले की गाड़ियों पर छपरा में पत्थर बरसाए गए। हालांकि कल देर शाम केशव प्रसाद मौर्य पटना से लखनऊ हवाई के रास्ते लौट गए। मगर उनके काफिले की गाड़ियां पटना से छपरा के रास्ते लखनऊ लौट रही थी। तभी दो गाड़ियों पर पथराव नया गांव के बाजितपुर के पास किया गया। बताया जा रहा है कि रोडरेज की घटना में इसे अंजाम दिया गया। छपरा में केशव प्रसाद मौर्य के काफिले की गाड़ियों पर हमले के मामले में पुलिस ने विकास नाम के एक युवक को हिरासत में लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। वहीं पटना में सम्राट अशोक की जयंती मनाकर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य हवाई जहाज से लखनऊ लौट गए। उनके काफिले की गाड़ियां सड़क मार्ग से छपरा होते हुए यूपी लौट रही थी। तभी नया गांव के पास रोडरेज की घटना हो गई, जिसके बाद गाड़ियों पर रोड़ेबाजी की गई। इस मामले में पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया है, बाकी आरोपितों की तलाश है।

चर्चा में हरीश रावत का ट्वीट

तू भी अन्ना, मैं भी अन्ना, आओ मिल बैठकर चूसें गन्ना

» सरकार को घेरने की कोशिश की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने लोकपाल और लोकायुक्त का मुद्दा उठाकर एक बार फिर सरकार को घेरने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि लोकपाल वर्ष 2014 में सत्ता परिवर्तन का टोटका बना था, लेकिन टोटके का इस्तेमाल कर सत्ता में आने वाले लोग अब खुद ही एक अनचाहा झंझट समझकर इसे भुला चुके हैं। वहीं प्रदेश में लोकायुक्त फाइल राज्यपाल के यहां से कहां गायब हो गई, इसका भी पता नहीं है। हरदा सोशल मीडिया पर इन दिनों सक्रिय हैं।

उनकी नई पोस्ट को लेकर चर्चा हो रही है। लोकपाल और लोकायुक्त के मुद्दे पर अपने फेसबुक पेज पर लिखते हुए हरीश ने कहा कि कभी वह जब संसदीय कार्य राज्यमंत्री थे, तब उन्होंने कहा था 'तू भी अन्ना, मैं भी अन्ना, आओ मिल बैठकर चूसें गन्ना'। हरीश रावत ने कहा कि वह गन्ना लोकपाल ही था, लेकिन वह भूल गए कि एक बार चूसा गया गन्ना, फिर नहीं चूसा जाता। वर्ष 2014 में गन्ना चुस गया और अन्ना भी लोकपाल के गन्ने को भूल गए। उनके इस पोस्ट पर लोग अपनी प्रतिक्रि याएं दे रहे हैं। वर्ष 2016 में उन्होंने मुख्यमंत्री रहते हुए राज्य विधानसभा की ओर से संशोधित रूप में पारित कानून के तहत लोकायुक्त चयन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का हौसला किया था। हाईकोर्ट के दिशा-निर्देश में दोनों कमेटियां, एक हाईकोर्ट के वरिष्ठ रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में और दूसरी कमेटी मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के मार्ग निर्देशन में गठित हुई।

सीएम योगी के दफ्तर का ट्विटर हैंडल हैक

» हैकर्स ने पोस्ट, प्रोफाइल पिक तक बदल डाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय का ट्विटर अकाउंट देर रात हैक हो गया। हैकर ने सीएमओ के हैंडल की डीपी और बैकग्राउंड वाली तस्वीर बदलने के साथ ही सैकड़ों यूजर्स को टैग करके कई सारे ट्वीट भी कर दिए। जानकारी के अनुसार सीएमओ का यह अकाउंट करीब 12:30 बजे के आसपास हैक कर लिया गया था।

यह गड़बड़ी 40 मिनट तक ऐसी ही बनी रही और 1:10 मिनट पर अकाउंट फिर रीस्टोर होना शुरू हुआ। हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। देर रात सीएमओ यूपी के अकाउंट को हैक किए जाने के बाद सबसे पहले तो प्रोफाइल में लगी तस्वीर को बदल दिया गया। इसके बाद ब्ल्यूबेजर नाम के हैंडल के स्क्रीनशॉट को जिफ फॉर्मेट में शेयर किया गया।

"साइबर हैकरों ने मुख्यमंत्री कार्यालय का ट्विटर हैंडल हैक कर लिया। करीब 34 मिनट तक हैकरों ने हैंडल को अपने कब्जे में रखकर 30 से ज्यादा प्रमोशनल ट्वीट किए। उन्होंने खाते की पोस्ट, बायो और प्रोफाइल पिक तक बदल डाली। जो भी शरारती तत्व इसके पीछे होंगे, उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

- प्रशांत कुमार, एडीजी कानून-व्यवस्था

पीएम मोदी व भाजपा अध्यक्ष का ट्विटर अकाउंट भी हुआ था हैक

इससे पहले बीती 27 फरवरी को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का ट्विटर अकाउंट सुबह 10 बजे हैक कर लिया गया था। भाजपा नेता के ट्विटर अकाउंट से सिलसिलेवार ढंग से रूस और यूक्रेन की मदद से जुड़े ट्वीट किए गए थे। हालांकि दूसरे ट्वीट में नड्डा ने अकाउंट हैक होने की जानकारी यूजर्स को दी थी। कुछ देर बाद ही इस अकाउंट को रिकवर भी कर लिया गया था। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ट्वीटर अकाउंट हैक कर लिया गया था। हालांकि दो घंटे बाद रिकवर कर लिया गया था।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

मदरसों के साथ अल्पसंख्यक बाहुल्य कॉलोनियों की भी बदलेगी किस्मत : दानिश आजाद

» विभाग ने 100 दिनों का लक्ष्य किया निर्धारित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भाजपा की नई सरकार गठित होने के बाद सरकार के एजेंडे में मदरसों की शिक्षा और गुणवत्ता प्राथमिकता पर है। योगी सरकार ने सभी विभागों से 100 दिन में अपने-अपने विभागों में बेहतर काम करने का रोडमैप बनाने का लक्ष्य दिया है। इसी कड़ी में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने भी 100 दिनों का लक्ष्य निर्धारित किया है।

इस दौरान मदरसों में बेहतर शिक्षा, उनकी गुणवत्ता में सुधार, अल्पसंखयक विभाग की तमाम दूसरी योजनाएं, अल्पसंख्यक कॉलोनी की बेहतरी और अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं को

बेहतर सुविधाएं देना सरकार के 100 दिन के एजेंडे में शामिल है। उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं। वहीं हम आगामी 100 दिनों के रोडमैप को देखते हुए माइनॉरिटी वेलफेयर से लेकर अल्पसंख्यकों की एजुकेशन पर सबसे ज्यादा फोकस कर रहे हैं। मदरसों के पाठ्यक्रम पर बात करते हुए दानिश आजाद ने कहा कि हम मदरसों के पाठ्यक्रम को बेहतर करने के लिए एक एप शुरू करने जा रहे हैं, जिसका लक्ष्य मदरसों की शिक्षा बच्चों तक बेहतर तरीके से पहुंचाई जा सके। साथ ही साथ देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और महान विभूतियों के बारे में भी मदरसों में जानकारी दी जाएगी, ताकि मदरसों में हमारे देश की महानता के बारे में बच्चों तक जानकारियां पहुंचाई जा सकें। साथ ही अल्पसंख्यक बाहुल्य कॉलोनियों में सुविधाओं को दुरुस्त करने पर काम किया जा रहा है। इस दौरान बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर तेजी से काम करने के साथ साथ ही शुद्ध पेयजल योजना को हर घर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

बदला नजर आएगा विधान सभा का नजारा, विधायक टैबलेट से पूछेंगे सवाल

» विधायकों के सवाल और सरकार के मंत्रियों के जवाब का ब्योरा रहेगा सेव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से लगातार दूसरी बार सत्ता में लौटी योगी सरकार अब विधान सभा को पेपर लेस करने की तैयारी कर रही है। इस बार यूपी विधान सभा के सत्र का नजारा बदला नजर आएगा। विधायक कापी-पेन नहीं बल्कि टैबलेट से लैस होकर सत्र में सवाल पूछते नजर आएंगे। मुख्यमंत्री, संसदीय कार्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष के लिए विशेष टैबलेट की व्यवस्था की जाएगी। इसमें सत्र की कार्यवाही का पूरा ब्योरा सेव रहेगा।

इस बार विधायक कागज-पेन लेकर नहीं बल्कि टैबलेट से विधान सभा में सवाल पूछेंगे। टैबलेट में पूरा ब्योरा दर्ज होगा। यह व्यवस्था यूपी विधान सभा के पहले सत्र से ही लागू होगी। यूपी विधान सभा सचिवालय में नागालैंड की तर्ज पर ई-विधान प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट के तहत विधान सभा सत्र के दौरान हर विधायक की सीट पर टैबलेट लगाए जाएंगे। विधान सभा सदस्य के क्षेत्र क्रमांक के आधार पर इस टैबलेट में सारा कंटेंट उपलब्ध होगा और सदन का एजेंडा लोड होगा। इस पर सभी विधायकों के सवाल और सरकार के मंत्रियों के जवाब का ब्योरा सेव रहेगा। इसका ट्रायल विधान सभा के पहले सत्र में ही किया जाएगा।

पेपर लेस होगा सत्र, मुख्यमंत्री, संसदीय कार्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष के लिए विशेष टैबलेट

मिलेगा प्रशिक्षण

विधान सभा की कार्रवाई में टैब कैसे काम करेगा, इसके लिए बाकायदा विधायकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। यही नहीं यह टैबलेट विधायकों की सीट पर ही काम करेंगे। दूसरी जगह बैठने पर नहीं काम करेंगे। इस टैब में प्रश्नकाल में होने वाले सवाल और उनके लिखित जवाब लोड होंगे। विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने बताया कि यह व्यवस्था शुरू हो रही है इसके लिए विधायकों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

नगालैंड की तर्ज पर शुरू हो रहा काम

नगालैंड, पूरी तरह से पेपर रहित होने के लिए राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) कार्यक्रम को लागू करने वाली देश की पहली राज्य विधान सभा बनकर इतिहास रच दिया है। नगालैंड विधान सभा सचिवालय ने चल रहे बजट सत्र के बीच 60 सदस्यों की विधान सभा में प्रत्येक टेबल पर एक टैबलेट या ई-बुक संलग्न की है।

इसके लिए केंद्र की योजना के तहत काम हो रहा है। नेशनल ई विधान एप्लिकेशन एक तरह का सॉफ्टवेयर है। वन नेशन वन एप्लिकेशन के तहत देश के विभिन्न राज्यों में यह व्यवस्था लागू हो रही है। देश के सभी राज्यों की विधान सभा इससे जुड़ने के बाद संसद और राज्यों की विधान सभा डिजिटली जुड़ जायेंगे।

नींबू के साथ सब्जियों ने भी निचोड़ दी जनता की जेब

» सब्जियों के रेट आसमान पर, नींबू बिक रहा 300 रुपए किलो

» राजधानी लखनऊ में सब्जियों की कीमत में जबरदस्त बढ़ोतरी

» 15 दिनों में सब्जियों के दाम तकरीबन 2 गुना तक बढ़ गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ समेत पूरे उत्तर प्रदेश में सब्जियों की कीमत में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी जा रही है। पिछले 15 दिनों में सब्जियों के दाम तकरीबन 2 गुना तक बढ़ गए हैं, जिसकी वजह से लोगों के किचन का बजट प्रभावित हो रहा है। जहां एक तरफ प्याज के बढ़े हुए दाम लोगों को रुला रहे हैं। वहीं, टमाटर, परवल, भिंडी, टिंडा, बोरा, नेनुआ, बैंगन, शिमला मिर्च और गोभी जैसी सब्जियों की कीमत भी लोगों की बजट के बाहर होती जा रही हैं। सब्जियों की बढ़ी हुई कीमतों ने लोगों के खाने की थाली का स्वाद बिगाड़ दिया है।

लोगों के घर का बजट इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। लोगों का कहना है कि महीने भर पहले एक दिन की सब्जी 100 रुपये में आ जाती थी, लेकिन अब वही सब्जी 200 से 300 रुपये में मिलती है। इससे उन्हें खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

कीमतों में बढ़ोत्तरी की वजह से लोगों ने अब सब्जियों का उपयोग कम कर दिया है। लोगों का कहना है कि पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की बढ़ी हुई कीमतों ने उन्हें पहले ही परेशान कर रखा था, ऐसे में सब्जियों के दाम में बेतहाशा बढ़ोतरी ने उन पर महंगाई की मार को और भी बढ़ा दिया है।

लखनऊ में जबरदस्त उछाल

परवल 100 रुपए किलो, भिंडी 100 रुपए किलो, टमाटर 30 रुपए किलो, करैला 80 रुपए किलो, नींबू 75 रुपए पाव, खीरा 40 रुपए किलो, लौकी 40 रुपए किलो, कद्दू 30 रुपए किलो, कटहल 60 रुपए किलो, छोटा कटहल 70 रुपए किलो, आलू 25 रुपए किलो, प्याज 30 रुपए किलो, गोभी 40 रुपए पीस मध्यम आकार, पत्ता गोभी 30 रुपए पीस, बीन्स 80 रुपए किलो, पालक 40 रुपए किलो, गाजर 40 रुपए किलो, नेनूआ (तुरई) 100 रुपए किलो बिक रहा है।

गर्मी की तरह आग उगल रहे सब्जियों के दाम

बढ़ती गर्मी के साथ ही सब्जियों के दाम भी आग उगलने लगे हैं। हकीकत यह है कि विटामिन बढ़ाने में सबसे फायदेमंद कहा जाने वाला नींबू दस से पंद्रह रुपये में एक मिल रहा है तो खीरा और ककड़ी 30-35 रुपये प्रति किलो बिक रही है। शिमला मिर्च भी 100 रुपये पार है, पालक 40 रुपये किलो बिक रहा है। फिलहाल टमाटर व प्याज अभी इतना महंगा नहीं है। इससे लोगों को थोड़ी सहूलियत है मगर सब्जी महंगी होने से होटलों व रेस्टोरेंट में सलाद दिखना कम हो गया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

महिला सुरक्षा का सवाल और तंत्र

"सवाल यह है कि अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के बावजूद महिला अपराधों का ग्राफ बढ़ता क्यों जा रहा है? ताबड़तोड़ एनकाउंटर के बाद भी अपराधियों के हौसले बुलंद क्यों हैं? क्या महिलाएं अपराधियों की साफ्ट टॉरगेट बनती जा रही हैं? महिला सुरक्षा के दावे हकीकत में उतरते क्यों नहीं दिख रहे हैं?

महिला सुरक्षा के तमाम दावों के बावजूद प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों का ग्राफ तेजी से बढ़ता जा रहा है और पुलिस अपराधों पर काबू पाने में नाकाम साबित हो रही है। चौबीस घंटे के भीतर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक युवती से सामूहिक दुष्कर्म किया गया जबकि गोंडा में एक कार से किशोरी की लाश बरामद की गयी। ये दोनों वारदातें यह बताने के लिए काफी हैं कि प्रदेश में कानून व्यवस्था का क्या हाल है। सवाल यह है कि अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के बावजूद महिला अपराधों का ग्राफ बढ़ता क्यों जा रहा है? ताबड़तोड़ एनकाउंटर के बाद भी अपराधियों के हौसले बुलंद क्यों हैं? क्या महिलाएं अपराधियों की साफ्ट टॉरगेट बनती जा रही हैं? महिला सुरक्षा के दावे हकीकत में उतरते क्यों नहीं दिख रहे हैं? क्या पुलिस की लापरवाह कार्यप्रणाली के कारण हालात बेकाबू हो गए हैं? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को अपनी चपेट में ले लिया है?

प्रदेश में हत्या, बलात्कार, घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, चेन स्नैचिंग की वारदातें आए दिन हो रही हैं। महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों की पुष्टि राष्ट्रीय महिला आयोग के आंकड़े भी कर रहे हैं। इसके मुताबिक पिछले साल देश में महिलाओं के खिलाफ अपराध के करीब 31 हजार मामले दर्ज किये गए। इसमें अकेले 50 फीसदी मामले यूपी में दर्ज किए गए। 2020 की तुलना में यह संख्या तीस फीसदी से अधिक है। 2020 में महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े कुल 23722 केस दर्ज किए गए थे जबकि 2021 में यह संख्या 30,684 पहुंच गयी। इसमें अकेले यूपी में 15828 मामले दर्ज किए गए। इसमें हत्या, बलात्कार, घरेलू हिंसा समेत तमाम केस शामिल हैं। यह स्थिति तब है जब अपराध के खिलाफ सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलने का दावा करती है। इसमें दो राय नहीं कि बढ़ते अपराध के लिए बहुत हद तक पुलिस की कार्यप्रणाली जिम्मेदार है। कई ऐसे मामले सामने आ चुके हैं जब शिकायत के बाद भी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने में लापरवाही की, जिसके कारण गंभीर आपराधिक घटनाएं घटीं। हकीकत यह है कि पुलिस अपराधों को कम दिखाने के चक्कर में एफआईआर तक दर्ज करने में आनाकानी करती है। यही नहीं वह पीड़ित पर आरोपियों से समझौते का दबाव बनाती है। लिहाजा अपराधियों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं। सरकार यदि अपराधों को नियंत्रित करना चाहती है तो वह लापरवाह पुलिसकर्मियों को चिन्हित कर न केवल उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे बल्कि पीड़ितों को जल्द से जल्द न्याय दिलाने की उचित व्यवस्था भी करे। साथ ही पुलिस तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म करे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

यूक्रेन में रूसी रणनीति के आयाम

अजय पटनायक

यह जगजाहिर है कि 1999 के बाद से नाटो (नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन) का पूर्वी यूरोप में विस्तार यूक्रेन में रूस की सैन्य कार्रवाई का मुख्य कारण है। शीत युद्ध की समाप्ति के समय नाटो में 16 सदस्य थे, जिसमें 1999 के बाद 14 अन्य देशों को शामिल किया गया। यूक्रेन के साथ रूस लगभग 2295 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। 1949 में स्थापित नाटो शीत युद्ध की एक स्मृति है, जिसे सोवियत संघ और उसके सहयोगियों से पश्चिमी यूरोप और उत्तरी अमेरिका की रक्षा के लिए बनाया गया था। इसकी प्रतिक्रिया में सोवियत खेमे ने वारसा समझौता गठबंधन बनाया था, जिसे 1991 में भंग कर दिया गया।

नाटो के कायम रहने और उसके पूर्व की ओर विस्तार ने एक असंतुलन बना दिया, जिससे शीत युद्ध के बाद की वैश्विक शांति के लिए खतरा पैदा हो गया। यह बेलग्रेड (1999) पर बमबारी तथा अफगानिस्तान (2001) और इराक (2003) पर हमले से साफ हो गया। नाटो के विस्तार के साथ सोवियत संघ के बाद की स्थिति में अनेक जगह सत्ता परिवर्तन कराये गये, जिसमें 2014 में हुआ हिंसक सत्ता परिवर्तन भी शामिल है। इन घटनाओं से रूस की घेराबंदी की आशंका पैदा हुई। यह प्रक्रिया 2003 से चल रही है, जब जॉर्जिया में 2003 में पश्चिम के सहयोग व समर्थन से हुए बनावटी विरोधों के बाद पश्चिम समर्थक सरकार सत्ता में आयी। कीव में 2014 में हुए हिंसक विरोधों से पहले यूक्रेन में 2004 में भी एक सत्ता परिवर्तन हो चुका था। 2005 में सत्ता से हटाये गये तत्कालीन पीएम विक्टर यानुकोविच ने 2010 में राष्ट्रपति के रूप में वापसी की पर उन्हें 2014 में फिर हटा दिया गया क्योंकि उन्हें ठीक से पश्चिम परस्त नहीं माना जाता था और उनको रूस के प्रति नरम भी माना जाता था। अफगान हमले के शुरुआती दौर में किर्गिस्तान और उज्बेकिस्तान में अमेरिकी अड्डे बनाये गये, जिससे रूस के लिए असुरक्षा बढ़ी। अपने पूर्ववर्ती बोरिस येल्त्सिन से उलट व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिमी पैंतरों का मुकाबला यूरेशिया (पूर्व सोवियत राज्यों) में जुड़ाव की प्रक्रिया से करने का निर्णय लिया। दो संगठनों- यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन (2015) और कलेक्टिव सिक्योरिटी ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (2002)- ने रूस के नेतृत्व को फिर स्थापित कर दिया है, भले ही कुछ ही देश इनमें शामिल हुए हैं। इस क्षेत्र में रूस के बाद सबसे विकसित यूक्रेन इस जुड़ाव की प्रक्रिया का एक मजबूत आधार हो सकता था।

यानुकोविच को 2014 में हटाये जाने से यूक्रेन के पश्चिम से करीब होने तथा नाटो को रूसी सीमा पर लाने का रास्ता साफ हो गया। फरवरी, 2007 में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में पुतिन ने कड़े शब्दों में वैश्विक संबंधों में अमेरिका के एकाधिकारवादी वर्चस्व तथा उसके द्वारा ताकत के निर्बाध इस्तेमाल की आलोचना की थी। इसके बावजूद नाटो ने समूह में आने के लिए जॉर्जिया को उत्साहित किया और इसके लिए वहां 2008 में जनमत संग्रह भी कराया गया। 2014 से यूक्रेन भी यही राह अपना रहा था और फरवरी, 2019 में वहां की संसद ने नाटो व यूरोपीय संघ में शामिल होने में आसानी के लिए संविधान में बदलाव पर मुहर लगा दी तथा जून, 2020 में यूक्रेन नाटो के एक कार्यक्रम में शामिल भी हो गया। जून, 2021 के ब्रसेल्स सम्मेलन में नाटो नेताओं ने 2008 के बुखारेस्ट सम्मेलन के निर्णय को दोहराया कि यूक्रेन इस गठबंधन का सदस्य बनेगा। यूक्रेन में सैनिक कार्रवाई की घोषणा के समय रूस ने दो लक्ष्य बताये थे- यूक्रेन को डिमिलिटराइज और 'डि-नाजीफाइ' करना। यूक्रेन की सैन्य क्षमता को बहुत हद तक नष्ट कर देने तथा यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लोदोमीर जेलेंस्की को तटस्थ रहने की घोषणा करने पर मजबूर कर देने के बाद अब रूस बहुत सधे हुए ढंग से अपने दूसरे लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। यूक्रेन के पूर्वी और दक्षिणी हिस्से में मुख्य रूप से रूसी भाषी आबादी केंद्रित है। डोनबास क्षेत्र के हिस्से डोनेस्क और लुहांस्क प्रांतों का अधिकांश भाग यूक्रेनी सैनिकों से ले लिया गया है। इन इलाकों के साथ मारियोपोल और ओडेसा जैसे दक्षिणी शहरों में ही 2014 से यूक्रेनी सेनाओं और उग्र-राष्ट्रवादी समूहों ने सबसे अधिक उत्पीड़न और नुकसान किया है। इन क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित कारने की प्रक्रिया में रूस उन समूहों का भारी नुकसान करेगा, जिन्हें वह 'नव नाजी' मानता है। बीते एक अप्रैल को रूस ने डोनबास क्षेत्र को मुक्त कराने का अपना एक उद्देश्य घोषित किया, उसने यह भी संकेत दे दिया था कि वह यूक्रेन के साथ भूमि और समुद्री सीमा पर बफर बनाने जा रहा है। यूक्रेन का दक्षिणी भाग, विशेष रूप से काला सागर में स्थित इसके दो मुख्य बंदरगाहों-ओडेसा और मारियोपोल- रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण हैं। बफर क्षेत्र रूस के दीर्घकालिक सुरक्षा हितों का एक समाधान है, भले ही बाद में यूक्रेन अपने वादे से मुकर जाए।

स्वास्थ्य देखभाल में बदलाव

डॉ. एम वली

जिस तरह से हमने कोरोना वायरस महामारी और उससे उत्पन्न कठिनाइयों का सामना किया है, उसे देखते हुए हमें अधिक सावधान और सतर्क होना है। दूसरी बात, कोरोना वायरस महामारी अभी दुनिया से गयी नहीं है। अभी चीन और ताइवान समेत कुछ देशों में संक्रमण फिर तेजी से फैल रहा है और कहीं-कहीं हालात बेकाबू होते दिख रहे हैं। अमेरिका और यूरोप के कुछ देशों में भी संक्रमण के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। वायरस का नया वैरिएंट भी आ रहा है, जो अधिक चिंताजनक है। महामारी के साथ-साथ अन्य बीमारियों को भी लेकर सतर्क होना है। हमें तीन-चार बातों का विशेष रूप से ध्यान रखना है। पहला, हाईब्रिड वर्क को बढ़ावा देने की जरूरत है, यानी ऑफिस और घर दोनों जगहों से काम करने की व्यवस्था बनानी होगी। कामकाज के घंटों में सहूलियत रहे, इसकी व्यवस्था आवश्यक है।

घर और ऑफिस दोनों ही जगहों से काम करते हुए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की बेहतरी का भी ख्याल रखना है अगर हम दूरदराज के इलाके में हैं, तो वहां से ऑफिस को नियंत्रित करना और अपने काम को कैसे प्रबंधित करना है, इस पर ध्यान देना होगा। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए हाईब्रिड वर्कप्लेस कल्चर विकसित करना होगा। दूसरा, टेलीहेल्थ को व्यापक स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना है। आवाजाही और भीड़भाड़ को कम करने की जरूरत है। भविष्य के अस्पताल या स्वास्थ्य देखभाल केंद्र नयी प्रकार की तकनीकों पर आधारित होंगे। रोबोटिक से स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में बदलाव आ रहा है, यानी मैनपावर की जगह तकनीकें प्रभावी भूमिका में होंगी। पूरा तंत्र मेकेनाइज्ड व्यवस्था पर टिका होगा। उसे देखते हुए हमें घर से ही मेडिकल जांच, नमूना एकत्र करने जैसी व्यवस्था पर काम करना है। प्रयोगशालाओं में मरीजों को जाने की आवश्यकता नहीं होगी। महामारी का अनुभव हमें ऐसी व्यवस्था पर विचार करने के लिए बाध्य करता है।

आज के जमाने में जीवनशैली में बदलाव आना लाजिमी है, इससे नयी बीमारियां भी आयेंगी और उसके उपचार के नये तरीके भी आयेंगे। अभी नूट्रोपिक्स और एडॉप्टोजेन की चर्चा हो रही है, ये नयी पद्धतियां हैं। इसमें हम कैनाबिनॉयड्स का इस्तेमाल करने जा रहे हैं। भविष्य में कैंसर और अन्य बीमारियों के उपचार के लिए कैनाबिनॉयड्स यानी सीबीडी का प्रयोग हो सकता है। माइक्रोडोजिंग से साइकेडेलिक्स ट्रीटमेंट हो सकेगा। एलन मस्क इस बात की कोशिश कर रहे हैं कि कैसे मस्तिष्क को इलेक्ट्रॉनिकली कंट्रोल किया जा सकता है। इन बातों पर भविष्य में व्यापक विचार-विमर्श होगा। कुछ नयी दवाओं के माध्यम से इलाज के विकल्पों पर काम किया जा रहा है। भविष्य के लिए ब्रेन का चिप, साइकेडेलिक्स ट्रीटमेंट और कुछ नयी दवाओं का उपयोग किया जायेगा। हमारे यहां बड़ी तादाद में पीटीएसडी यानी पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर की समस्या हो गयी है। इसके उपचार के लिए हमें योग और व्यायाम की मदद लेनी होगी। जिन बीमारियों से हम खुद का बचाव कर सकते हैं, जो आज के युग का दानव हैं, उससे हमें खासतौर पर सतर्क रहने की आवश्यकता है। धूम्रपान से बचाव और मोटापा कम करने पर ध्यान देना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन का थीम है- वेट न्यूट्रल थेरेपी, जिस पर गंभीरता से सोचना होगा। थेरेपी के बाद वजन बढ़ने की समस्या आ रही है। पिछले दिनों देखने में आया कि स्टेरॉयड से वजन तेजी से बढ़ा है। स्टेरॉयड से बड़ी संख्या में लोगों को डायबिटीज भी हुई है। ये सब न हो, वजन को नियंत्रित रखना आवश्यक है। जिन बीमारियों से बचाव हो सकता है, जैसे हृदय संबंधी बीमारियां, मोटापा, डायबिटीज, उन्हें रोकने के लिए हमें काम करना होगा। धूम्रपान छोड़कर, मोटापा कम करके और योग-व्यायाम की आदत से हमारा जीवन स्वस्थ्य हो सकता है। उपचार का खर्च बढ़ रहा है, उससे बचाव में यह सबसे कारगर और उपयोगी तरीका है। स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को मजबूत करने की जरूरत है ताकि लोगों को सही समय पर समुचित इलाज मिल सके। गांव के दूर-दराज इलाकों तक स्वास्थ्य सुविधाओं को दुरुस्त करने की आवश्यकता है। स्वस्थ रहने के लिए जीवनशैली से जुड़ी आदतों में सुधार करना होगा। खान-पान पर ध्यान देना होगा, बाहर के खाने से बिल्कुल बचने की जरूरत है।

देश में बीमारियों और अस्वस्थता की बढ़ती समस्या को काबू में रखने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत करना होगा। इसके लिए सरकारों को विशेष रूप से काम करने की आवश्यकता है अगर बड़ी आबादी को बीमारियों से बचाना है, तो किसी भी कीमत पर प्राथमिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करना होगा। देश में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की कमी बनी हुई है। हमारे यहां जितने डॉक्टर बनते हैं, उसके अनुपात में आबादी अधिक बढ़ रही है. यह समस्या लगातार बनी रहेगी। हमारे पास सबसे बड़ा समाधान यही है कि हमें बीमार कम पड़ना है और अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना है। जब जेपी नड्डा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री थे तो वे नयी स्वास्थ्य नीति लेकर आये थे। उसमें इन सब बातों का उल्लेख है। हमें स्वास्थ्य को लेकर नया दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है और देखभाल तंत्र को मजबूत बनाने की आवश्यकता है।

सत्य और सनातन धर्म की रक्षा का प्रतीक

राम नवमी

हिंदू धर्म में मान्यता है कि चैत्र माह की शुक्ल पक्ष के नवमी तिथि को भगवान विष्णु ने प्रभु श्री राम के रूप में धरती पर अपना सातवां अवतार लिया था। तब से इस तिथि को राम भगवान के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। पृथ्वी पर सत्य सनातन धर्म की रक्षा के लिए जन्म लेने वाले प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव से जुड़ा ये पावन पर्व इस साल 10 अप्रैल को मनाया जाएगा। इस साल नौ अप्रैल की देर रात एक बजकर 23 मिनट से नवमी तिथि प्रारंभ हो रही है। राम नवमी के अवसर पर देशभर के राम मंदिरों में प्रभु श्रीराम की पूजा अर्चना की जाएगी और राम जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इसके अलावा मान्यता है कि राम नवमी के अवसर पर आप कुछ आसान उपायों से अपने जीवन को खुशहाल और सुखी बना सकते हैं। तो चलिए आज जानते हैं राम नवमी के इन उपायों के बारे में।

शुभ मुहूर्त

इस साल नवमी तिथि का आरंभ 10 अप्रैल की रात्रि 1 बजकर 23 मिनट से हो रहा है, जो 11 अप्रैल सुबह 3 बजकर 15 मिनट तक है। इसका शुभ मुहूर्त दिन में सुबह 11 बजकर 06 मिनट पर शुरु हो रहा है, जो दोपहर 01 बजकर 39 मिनट तक है। इस मुहूर्त में रामलला का जन्म होगा और मंदिरों में राम जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

मनोकामना होती है पूर्ण

राम नवमी के दिन शुभ मुहूर्त में प्रभु श्रीराम की पूजा करें। पूजा के दौरान दौरान श्री राम चंद्र कृपालु भजमन। आरती जरूर पढ़े। ऐसा करने से व्यक्ति के दुख और कष्ट दूर होते हैं। कहा जाता है कि राम नवमी पर प्रभु श्री राम और उनके परमभक्त हनुमान जी की गुणगान वाले हनुमान चालीसा का संपूर्ण पाठ करें। इससे जातक पर श्रीराम और हनुमान जी की कृपा बनी रहती है और उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। इसके अलावा यदि आप किसी संकट में घिरे हैं और उससे बचना चाहते हैं, तो राम नवमी के दिन राम रक्षा स्तोत्र का पाठ करें। मान्यता है कि इससे प्रभु श्रीराम आपकी रक्षा करेंगे और आपका कल्याण होगा। धार्मिक मान्यता है कि राम नाम में बहुत ही ज्यादा शक्ति होती है। राम नवमी के दिन भगवान श्रीराम के पूजन के समय राम नाम का जप जरूर करें। इससे जीवन में सुख एवं खुशहाली आएगी। मान्यता है कि राम नवमी के दिन रामायण या रामचरितमानस का पाठ करना या कराना अत्यंत ही शुभ होता है। इससे अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और भक्तों के सारे दुख दूर होते हैं।

धार्मिक महत्व

राम नवमी सबसे महत्वपूर्ण हिंदू त्यौहारों में से एक है। हर साल इस दिन को भगवान राम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व भारत में श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाता है। रामनवमी के दिन ही चैत्र नवरात्र की समाप्ति भी हो जाती है। राम भगवान विष्णु के सबसे पुराने अवतारों में से एक है, जो एक मानव रूप है। भगवान राम का जन्म मध्यान्ह काल में व्याप्त नवमी तिथि को पुष्य नक्षत्र में हुआ था। हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार त्रेतायुग में रावण के अत्याचारों को समाप्त करने तथा धर्म की पुनः स्थापना के लिये भगवान विष्णु ने पृथ्वी लोक में श्री राम के रुप में अवतार लिया था। श्रीराम चन्द्र जी का जन्म चैत्र शुक्ल की नवमी के दिन पुनर्वसु नक्षत्र तथा कर्क लग्न में कौशल्या की कोख से, राजा दशरथ के घर में हुआ था। दुनिया भर में भक्त इस दिन को शुभ दिन मानते हैं। रामनवमी का पूजन शुद्ध और सात्विक रूप से भक्तों के लिए विशष महत्व रखता है इस दिन प्रातः स्नान इत्यादि से निवृत हो भगवान राम का स्मरण करते हुए भक्त लोग व्रत एवं उपवास का पालन करते हैं। इस दिन लोग उपवास करके भजन कीर्तन से भगवान राम को याद करते है। साथ ही साथ भंडारे और प्रसाद को भक्तों के समक्ष वितरित किया जाता है। भगवान राम का संपूर्ण जीवन ही लोक कल्याण को समर्पित रहा। उनकी कथा को सुन भक्तगण भाव विभोर हो जाते हैं व प्रभू के भजनों को भजते हुए रामनवमी का पर्व मनाते हैं।

सूर्य प्रार्थना के साथ शुरू होता है दिन

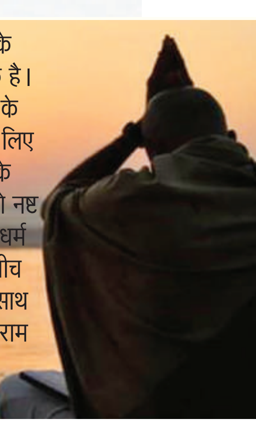

यह त्यौहार चैत्र के हिंदू कैलेंडर माह के नौवें दिन आता है। चैत्र के महीने के नौवें दिन राम नवमी का उत्सव पृथ्वी पर परमात्मा शक्ति के होने का प्रतीक है। इस दिन भगवान विष्णु का जन्म अयोध्या के राजा दशरथ के बड़े पुत्र राम के रूप में हुआ था। इस दिन भगवान राम के भक्त अपनी आत्मा की शुद्धि के लिए कुछ विस्तृत रीति-रिवाज करते हैं। राम के जन्म का उद्देश्य रावण की दुष्ट आत्मा को नष्ट करना था। इसलिए राम नवमी का उत्सव धर्म की शक्ति की महिमा, अच्छे और बुरे के बीच शाश्वत संघर्ष को दर्शाता है। राम नवमी का दिन सूर्य की प्रार्थना करने के साथ शुरू होता है। सूर्य शक्ति का प्रतीक है और हिंदू धर्म के अनुसार सूर्य को राम का पूर्वज माना जाता है इसलिए, उस दिन की शुरुआत में सूर्य को प्रार्थना करने का उद्देश्य सर्वोच्च शक्ति का आशीर्वाद प्राप्त करना होता है।

हंसना मना है

कड़वा सत्य, गटरू- अगर आप सोचते हैं कि काश। आपकी शादी आपकी साली से हुई होती तो अच्छा होता। तो यकीन मानिए आपकी साली के पति भी बिल्कुल ऐसा ही सोचते होंगे।

शौंटी भागता हुआ आया और बोला। जल्दी से तैयार हो जाओ। पापा: क्यों? शौंटी-अरे आज लड़की वाले मुझे देखने आ रहे हैं। पापा: अबे तुझे किसने कहा? शौंटी: अरे वो पड़ोस में शर्मा अंकल हैं ना मैंने उनकी लड़की को छेड़ दिया, तो वो बोले देख लेंगे तुझे। शर्मा अंकल के आने से पहले पापा ने शौंटी को देख लिया दे थप्पड़, दे थप्पड़, दे थप्पड़।

अब तो हद ही हो गई है। ये अफवाह कौन फैला रहा है कि एक्टिवा के साइलेंसर पर बीवी का नाम लिखने से... बुलेट की आवाज आती है।

पत्नी: आज मैंने पेपर में पढ़ा कि शराब पीने से लीवर खराब हो जाता है। बंद कर दो प्लीज। पति: तुम कहती हो तो कर देता हूं। पत्नी: कितने अच्छे हो तुम। पति (कुछ देर बाद): हां, मैंने पेपर वाले से बात कर ली, कल से पेपर नहीं डालेगा। पत्नी बेहोश।

पति आधी रात को अपनी मोटी बीवी को जगा कर बोला - घुट-घुट कर मरना सही है या फिर एकदम से मर जाना? पत्नी: एकदम से मर जाना अच्छा होता है। पति: तो अपनी दूसरी टांग भी मेरे ऊपर रखे दे और किस्सा खत्म कर मेरा।

कहानी | विदेशी की मातृभाषा

एक बार अकबर के दरबार में एक विदेशी आया। उसने बादशाह अकबर के सामने एक चुनौती रखी, आप लोग मेरी मातृभाषा बताइए या फिर स्वीकार कर लीजिए कि आपके यहां सब मूर्ख हैं। दरबारियों ने उससे अलग-अलग भाषाओं में प्रश्न किए। हर भाषा में उसने सही उत्तर दिए। वह हर भाषा इतनी अच्छी तरह बोलता था कि जैसे वही उसकी मातृभाषा हो। इसलिए कोई भी दरबारी उसकी मातृभाषा का पता नहीं लगा सका। अंत में उसने अकबर बादशाह से कहा, मैं अपनी मातृभाषा मालूम करने के लिए आपको सात दिन का समय देता हूं। कहिए स्वीकार है? अकबर ने बीरबल की ओर देखा। बीरबल ने इशारे से हामी भर दी। अकबर ने विदेशी से कहा, हमें आपकी बात स्वीकार है। विदेशी एक धर्मशाला में ठहरा दिया गया। रात को जब वह सो गया तो बीरबल वहां पहुंचे। बीरबल ने एक तिनका लेकर विदेशी के कान में घुमाया। विदेशी ने सिर झटका और कान पर हाथ फेरा। फिर वह करवट बदलकर सो गया। बीरबल ने उसके दूसरे कान में तिनका घुमाया। विदेशी घबराकर उठ बैठा और झल्लाते हुए बोला, अरे! कोण छे, मने ऊधमां हेरान करे दे? (कौन है रे? मुझे नींद में परेशान करता है)। विदेशी के कान में तिनका घुमाकर बीरबल छिप गये थे। इसलिए विदेशी उन्हें देख नहीं सका। वह फिर गहरी नींद में सो गया। बीरबल वहां से सीधे अपने घर आ गये। सातवें दिन विदेशी दरबार में हाजिर हुआ। बीरबल ने अलग-अलग भाषाओं में उससे बात की। फिर उसने अकबर से कहा, बादशाह सलामत! इन महाशय की मातृभाषा गुजराती है। यह सुनकर विदेशी आश्चर्य में पड़ गया। आज पहली बार कोई उसकी मातृभाषा का सही पता लगा पाया था। उसने बीरबल की भूरि-भूरि प्रशंसा की और दरबार से जाने से पहले बोला, धन्य है भारतभूमि! जहां बीरबल जैसे बुद्धिमान बसते हैं। उसके जाने के बाद अकबर ने पूछा, बीरबल! इतना कठिन कार्य तुमने किया कैसे? जहांपनाह! बीरबल बोले, जब मनुष्य पर दुख पड़ता है या फिर वह अचानक नींद से जागता है, तब वह अपनी मातृभाषा में ही बोलता है। इतना कहकर बीरबल ने रात की सारी घटना कह सुनायी। सभी ने बीरबल की प्रशंसा की। अकबर ने बीरबल को सहर्ष अपने गले का हार भेंट में देकर उसका सम्मान किया।

शिक्षा: जब आप चाहते हैं कि लोग आपको सच बताएं तो यह जरूरी है कि उन्हें बिना चौकसी के पकड़ना सच को सामने लाता है। हमें अपने बारे में अपने आस-पास के लोगों से कोई बात नहीं छिपानी चाहिए। अगर हम ऐसा करते हैं तो बिल्ली देर सवेर बैग से बाहर आ ही जाती है।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
नए करार फायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाजी में निर्णय न लें। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है।

तुला
दोस्त और जीवनसाथी आपके लिए सुकून और खुशी लेकर आएंगे, नहीं तो आपका दिन बुझा-बुझा और दौड़-भाग से भरा रहेगा। प्यार में अपने अशिष्ट बर्ताव के लिए माफी मांगें।

वृषभ
आज परिवार के लोगों से आपको भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। खासकर कि आपके प्रति बड़ों का प्यार बना रहेगा। आज आप किसी नये बिजनेस को शुरू करने के बारे में विचार कर सकते हैं।

वृश्चिक
आज आपका दिन बेहतर रहेगा। बस आपको अपनी वाणी पर संयम रखना होगा। मुंह से निकली हुई एक गलत बात आपको परेशानी में डाल सकती है। आज आपके घर पर कोई रिश्तेदार भी आ सकता है।

मिथुन
खुद के द्वारा सोचा गया काम अचानक बिगड़ सकता है। वाद विवाद में संयम रखें। शत्रुओं तथा प्रतिस्पर्धियों की वजह से परेशानी होगी। आपकी पारिवरिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
आज बातचीत और लेंन-देंन के लिए समय अच्छा हैं। उधार दिया धन वसूल होगा। नौकरी में पद, प्रतिष्ठा का लाभ मिलेगा। आज हर कोई आपकी तरफ आकर्षित होगा।

कर्क
किसी झगड़ालू इंसान से वाद-विवाद आपका मूड खराब कर सकता है। समझदारी से काम लें और अगर संभव हो तो इससे बचें, क्योंकि किसी भी तरह का विवाद आपके लिए मददगार नहीं रहेगा।

मकर
आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा। अपने मनमौजी बर्ताव पर काबू रखें, क्योंकि यह आपकी दोस्ती को बर्बाद कर सकता है। टैक्स और बीमे से जुड़े विषयों पर गौर करने की जरूरत है।

सिंह
आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। कोई भी बड़ा काम शुरू करने से पहले उस क्षेत्र से जुड़े लोगों की राय जरुर ले लें, वरना बिजनेस में कम मुनाफा होने के संकेत बन रहे हैं।

कुम्भ
आज आपका दिन पहले से ज्यादा लाभ दिलवाने वाला रहेगा। लंबे समय से चल रही कोई योजना आज पूरी हो जायेगी। कोई नया काम शुरू करने के बारे में भी सोच सकते हैं, दिन आपके लिये लाभकारी होगा।

कन्या
आज आपको मेहनत का पूरा फायदा भी मिलेगा। कोई अच्छी खबर या बड़ी सफलता की खुशी आपको मिल सकती है। अचानक फायदा हो सकता है। आपको जल्दी ही कुछ एक्स्ट्रा आमदनी होने के योग बन रहे हैं।

मीन
आज आप दूसरों से बात करते वक्त संतुलित विचार रखें। आपका स्वास्थ्य आज पहले से बेहतर रहेगा। अपनी अच्छी सेहत के लिये आपको दिनचर्या में थोड़ा बदलाव लाने की जरूरत है।

बालीवुड | मन की बात

यामी गौतम का छलका दर्द, कहा शादी के लिए डिजाइनर ने लहंगा देने से किया था मना

दसवीं को लेकर एक्ट्रेस यामी गौतम लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। फिल्म में उनकी एक्टिंग को दर्शकों ने पसंद किया है लेकिन उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस पर निगेटिव रिव्यू देने पर गुस्सा जाहिर किया है। इसके बाद अब यामी ने अपनी शादी में लहंगे को लेकर एक हैरान करने वाला खुलासा किया है। यामी का कहना है कि एक मशहूर डिजाइनर ने उन्हें शादी में लहंगा देने से मना कर दिया था, इस वजह से उन्होंने अपनी मां की साड़ी पहनी थी। क्योंकि वो उन्हें इसके लायक नहीं समझते। एक्ट्रेस के इस खुलासे ने सभी को हैरान कर दिया है। यामी गौतम ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में इस बात का खुलासा किया है। उन्होंने कहा, मेरी शादी मेरी पर्सनैलिटी को दर्शाती है। मैं लकी हूं कि मुझे एक ऐसा पार्टनर मिला है, जो मेरी तरह ही सोचता है। शादी का दिन आपका अपना होता है और आप नहीं चाहते है कि आपको कोई इस बारे में बताए। मेरे पास यह मौका था कि मैं कुछ अच्छे डिजाइनर्स पर निर्भर होती लेकिन फैशन इंडस्ट्री में भी कुछ लोग ऐसे हैं जो आपको अपने आउटफिट नहीं देते क्योंकि वो आपको इसके लायक ही नहीं समझते। यामी गौतम ने आगे बात करते हुए कहा, यहां एक पूरा सिस्टम है और मुझे याद है कि एक आदमी ने अपना लहंगा मेरे लिए देने से साफ मना कर दिया था। इसके बाद मैंने भी उनके साथ काम करने से इनकार कर दिया। लेकिन ये बहुत बुरा था। मुझे समझ नहीं आया कि आखिर इसके लिए क्या क्राइटेरिया है और आप किसी के साथ इतना बुरा व्यवहार कैसे कर सकते हैं। हालांकि बहुत से लोग काफी अच्छे हैं और उनका काम और बिहेवियर काफी अच्छा है।

राजामौली की आरआरआर 1000 करोड़ के बेहद करीब

बॉलीवुड | तड़का

एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर ने सिनेमाघरों में दो हफ्तों का सफर पूरा कर लिया है। पहले हफ्ते में फिल्म के कलेक्शंस में जोरदार उछाल रहा, मगर दूसरा हफ्ता काफी धीमा गुजरा और कलेक्शंस सिंगल डिजिट में बने रहे। फिल्म के हिंदी वर्जन ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ का पड़ाव पार कर लिया है, वहीं सभी भाषाओं का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 1000 करोड़ पर पहुंचने वाला है, जो तीसरे वीकेंड में मिलने की पूरी सम्भावना है। 25 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई आरआरआर ने 7 अप्रैल को चौदह दिन पूरे कर लिये। बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म ने गुरुवार को लगभग 6 करोड़ का कलेक्शन किया है, जिसके साथ 14 दिनों का नेट कलेक्शन लगभग 209 करोड़ हो गया है। पहली अप्रैल से 7 अप्रैल के बीच दूसरे हफ्ते में वीकेंड के बाद फिल्म के कलेक्शंस काफी प्रभावित हुए हैं।

दूसरे वीकेंड में आरआरआर ने शुक्रवार को 13.50 करोड़, शनिवार को 18 करोड़, रविवार को 20.50 करोड़ का कलेक्शन किया था। इसके बाद फिल्म के कलेक्शंस एकदम नीचे गिरे और दूसरे सोमवार को सिर्फ 7 करोड़ ही जमा कर सकी। वहीं मंगलवार और बुधवार को क्रमश: 6.50 और 5.50 करोड़ बटोरे। आरआरआर ने 200 करोड़ का पड़ाव बुधवार को रिलीज के 13वें दिन पार किया था। 25 मार्च से 31 मार्च तक आरआरआर ने पहले हफ्ते में 132.59 करोड़ जमा किये थे। अब अगर वर्ल्डवाइड कलेक्शंस की बात करें तो आरआरआर ने रिलीज के तीन दिनों में ही 500 करोड़ ग्रॉस कलेक्शन कर लिया था और फिल्म अब 1000 करोड़ ग्रॉस कलेक्शन की ओर बढ़ रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अभी तक फिल्म लगभग 950 करोड़ ग्रॉस कलेक्शन वर्ल्डवाइड कर चुकी है। आरआरआर के लिए तीसरे हफ्ते में अपने कलेक्शंस बढ़ाने का पूरा मौका है, क्योंकि इस हफ्ते इसके सामने कोई बड़ी चुनौती नहीं है। द कश्मीर फाइल्स की रफ्तार पहले ही काफी धीमी हो चुकी है। मगर, चौथे हफ्ते में आरआरआर के सामने कन्नड़ सिनेमा की बहुचर्चित फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 और हिंदी फिल्म जरसी की मजबूत चुनौतियां होंगी। केजीएफ 2 हिंदी में भी बड़े पैमाने पर रिलीज हो रही है। वहीं, हिंदी बेल्ट में जरसी भी मजबूत प्रतिद्वंद्वी के तौरपर उभर सकती है।

इंडियाज लाफ्टर चैंपियन में जज बनेंगे नवजोत सिंह सिद्धू

द कपिल शर्मा शो के ऑफएयर होने की खबरों के साथ ही छोटे पर्दे पर हलचल तेज हो गई है। पिछले दिनों न्यूज आई कि कपिल शर्मा, जून-जुलाई में अमेरिका टूर पर निकल रहे हैं, जिसके चलते शो के मेकर्स और चैनल ने ये फैसला लिया है। इसी बीच सोनी टीवी ने हाल ही में नए कॉमेडी शो के शुरू होने का ऐलान किया। नए शो इंडियाज लाफ्टर चैंपियन का टीजर सामने आते ही लोगों ने मान लिया कि ये द कपिल शर्मा को रिप्लेस करने के लिए लाया जा रहा है। नए कॉमेडी शो के सामने आते ही सोशल मीडिया पर ये भी कयास लगने लगे कि नए शो के साथ ही नवजोत सिंह सिद्धू भी फिर से टीवी पर अपनी वापसी कर सकते हैं। नए शो इंडियाज लाफ्टर चैंपियन के टीवी पर दोबारा वापसी के बाद से ही अब सिद्धू की वापसी की अटकलें भी तेज हो गई हैं। ऐसा इसलिए भी है कि पहले छोटे पर्दे पर पहले आने वाले शो द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज को नवजोत सिंह सिद्धू ही जज करते थे। ये वहीं शो था जिसने भारती सिंह, कपिल शर्मा जैसे कलाकारों को मौका दिया था। दरअसल, अर्चना पूरन सिंह से पहले सिद्धू ही द कपिल शर्मा शो में स्पेशल जज के तौर पर नजर आते थे। 2019 में पुलवामा अटैक पर कमेंट करने के बाद सिद्धू कि खिलाफ लोगों का गुस्सा सोशल मीडिया पर फूटा और शो के मेकर्स को उन्हें हटाना पड़ा। हालांकि इसके बाद उनकी किस्मत चमकी और वो पंजाब की कांग्रेस सरकार में मंत्री भी बने। पर 2022 के विधानसभा चुनावों में उन्हें करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। जिसके कारण ये कायस तेज हो गए हैं कि सिद्धू फिर एक बार छोटे पर्दे पर वापसी कर सकते हैं।

अजब-गजब | ग्वांतानामो खाड़ी के तट पर स्थित है ये जेल

दुनिया की सबसे खतरनाक जेल, एक कैदी पर खर्च होते हैं करीब 93 करोड़ रुपये

दुनिया में कैदियों को रखने के लिए एक से बढ़कर एक जेलें बनाई गई हैं। इनमें कई जेलें बेहद खतरनाक और डरावनी हैं जबकि कई जेलें बेहद महंगी हैं। जहां पर एक कैदी पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। वैसे तो हर जेल में कैदियों के पर पैसे खर्च होते हैं, लेकिन हम आज एक ऐसी जेल बारे में बताने जा रहे हैं जिसके खर्च के बारे में जानकर आप हैरान हो जाएंगे। इस जेल में दुनिया के खूंखार आतंकियों को रखा जाता है। दुनिया की सबसे महंगी जेलों में इस जेल का नाम शामिल है।

दरअसल, हम दुनिया की सबसे महंगी ग्वांतानामो बे जेल की बात कर रहे हैं जो ग्वांतानामो खाड़ी के तट पर स्थित है। इस जेल को साल 2001 में अमेरिका में 11 सितंबर को आतंकवादी हमले के बाद शुरू किया गया था। हालांकि दुनिया की सबसे खतरनाक और महंगी जेल ग्वांतानामो बे के एक यूनिट को अप्रैल 2021 में बंद कर दिया गया। ग्वांतानामो बे जेल के कैंप-7 में 14 कैदियों को रखा गया था। कई लोग ग्वांतानामो जेल को धरती का नर्क भी कहते हैं। आइए जानते हैं इस जेल और एक कैदी पर खर्च होने वाल पैसे के बारे में...। ग्वांतानामो बे जेल में

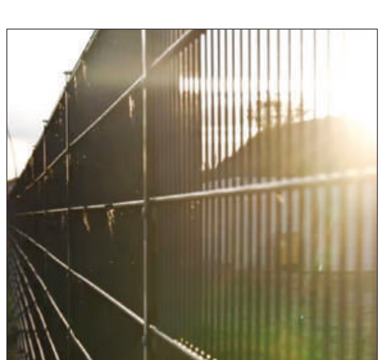

एक कैदी के ऊपर करीब 93 करोड़ रुपये खर्च किए जाते हैं जिसकी वजह से इस जेल को खतरनाक होने के साथ सबसे महंगी जेल भी कहा जाता है। इस जेल में दुनिया के खूंखार आतंकियों को रखा जाता है। कुछ दिनों पहले ही इस जेल में बंद सऊदी अरब के एक कैदी को रिहा किया गया था। अहमद अल-कहतानी पर 9/11 के अपहर्ताओं में शामिल होने का आरोप था। इस सैन्य जेल को दुनिया की सबसे विवादित जेल माना जाता है। कई बार इसे बंद करने की भी मांग उठ चुकी है। इस जेल की सुरक्षा बेहद कड़ी होती है। यहां पर कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकता है। सबसे हैरानी वाली बात यह है कि इस जेल में एक कैदी के लिए 45 सैनिक तैनात रहते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यहां पर 1800 सैनिकों को तैनात किया गया है। इस ग्वांतानामो जेल में फिलहाल कुल 38 कैदी बंद हैं जो बेहद खुंखार आतंकी हैं। यहां पर हर काम के लिए एक अलग कर्मचारी मौजूद है। जेल में 3 इमारतें हैं, जिनमें 2 गुप्त हेडक्वार्टर हैं। इस जेल में 3 क्लिनिक भी हैं। हाइटेक सुविधाओं से लैस इस जेल के अंदर कोर्ट, पेरोल बोर्ड और हीयरिंग रूम मौजूद है। यहां पर प्राइवेट रूम में कैदी अपने वकील के साथ आराम से बात कर सकता है। इस जेल में कैदियों को जिम, प्ले स्टेशन और सिनेमा हॉल जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं। कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल कके लिए मानसिक चिकित्सक भी यहां तैनात हैं। क्यूबा में स्थित यह जेल कभी अमेरिकी नौसना का बेस था। लेकिन साल 2002 में इसे हाईटेक जेल बना दिया गया। इस जले में खूंखार आतंकवादियों को रखा जाने लगा। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने कार्यकाल के दौरान इसे बंद करने की बात कही थी।

प्यास से तड़पता रहता है ये पक्षी लेकिन नहीं पीता है पानी

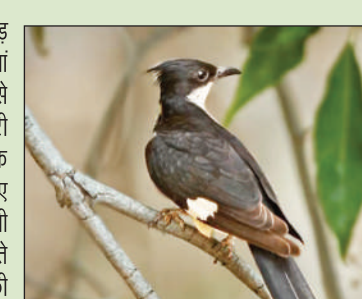

धरती पर कुल मिलाकर 5000 करोड़ पक्षी रहते हैं, जिनमें कई प्रजातियां बेहद दुर्लभ हैं। इन पक्षियों में कई ऐसे हैं जो अपनी खासियत के लिए पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। जिंदा रहने के लिए धरती पर मौजूद हर प्राणी के लिए पानी बेहद जरूरी होता है। कुछ प्राणी कम मात्रा में ही पानी पीकर जिंदा रहते हैं, लेकिन हम सभी को पानी की जरूरत होती है। लेकिन इस धरती पर एक पक्षी मौजूद है जिसके बारे में जानकर आप हैरान हो जाएंगे। यह खास पक्षी प्यास से तड़पता रहता है, लेकिन नदी या तालाब का पानी नहीं पीता है। इसके साथ ही अगर आप इसे किसी बर्तन में भी पानी पीने के लिए देते हैं, तो भी नहीं पीता है। आप सोच रहे होंगे यह पक्षी कौन सा पानी पीता है, क्योंकि बिना पानी पिए, तो कोई जिंदा नहीं रह सकता है। आइए जानते हैं कि आखिर इस खास पक्षी का नाम क्या है और यह कौन सा पानी पीता है।

पीता है ये खास पानी

दरअसल, हम जिस पक्षी के बारे में बात कर रहे हैं वह झील, तालाब या नदी का पानी नहीं पीता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह पक्षी सिर्फ बारिश का ही पानी पीता है। जब बरसात होती है, तो यह अपनी प्यास को बुझाता है। इस खास पक्षी का नाम चातक है। इसे कई बार प्यास लगी रहती है, लेकिन यह कोई और पानी नहीं पीता है। सिर्फ बारिश का ही पानी पीता है। कहा जाता है कि अगर चातक प्यास से तड़प रहा है और पानी से भरे झील में डाल देते हैं, तो यह पानी में अपनी चोंच को नहीं खोलता है। यह पक्षी इस मामले में बेहद स्वाभिमानी होता है। सिर्फ एशिया और अफ्रीका महाद्वीप में ही चातक पक्षी पाया जाता है। यह भारत के उत्तराखंड राज्य में प्रमुख रूप से मिलता है। बताया जाता है कि यह पक्षी आसमान में ही ज्यादतर समय तक टकटकी लगाकर रहता है। यह सिर्फ स्वाति नक्षत्र में होने वाली बारिश का पानी पीता है। उत्तराखंड के गढ़वाल में लोग इस पक्षी को चोली के नाम से बुलाते हैं जबकि मारवाड़ी में मघवा और पपिया कहते हैं।

और गर्म हुए सूरज के तेवर, पारे ने पकड़ी रफ्तार

आगरा में साल का सबसे गर्म दिन रहा शुक्रवार तापमान 44.2 डिग्री पहुंचा

मौसम विभाग ने 12 अप्रैल तक लू चलने का जारी किया अलर्ट

» भीषण गर्मी की चपेट में राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के कई शहर

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत कई शहर भीषण गर्मी की चपेट में है। लोगों को न केवल गर्मी के सितम बल्कि लू के थपेड़ों का भी सामना करना पड़ रहा है। वहीं मौसम विभाग का कहना है कि यूपी के अधिकतर जिलों में तापमान अभी और बढ़ेगा। फिलहाल बारिश की कोई संभावना नहीं है। आगरा में इस साल का सबसे गर्म दिन शुक्रवार रहा। यहां तापमान 44.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया जो पूरे प्रदेश में सबसे ज्यादा है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान केंद्र के मुताबिक अगले चार दिनों में तापमान 44 डिग्री के आसपास रह सकता है। लू के थपेड़े जारी रहेंगे। 12 अप्रैल तक मौसम विभाग ने लू का अलर्ट जारी किया है। यूपी के कई प्रमुख शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार है। लखनऊ में अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री रहने की संभावना है। वहीं न्यूनतम तापमान 24.1 डिग्री रहने का पूर्वानुमान है। इतना ही नहीं, अगले पांच दिनों तक पारा के ऐसे ही बरकरार रहने के आसार हैं। मौसम विभाग का कहना है कि अगामी कुछ दिनों तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव की उम्मीद नहीं है। मेरठ में अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री रहने की संभावना है। आने वाले पांच दिनों तक तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं देखे जा रहे हैं। मौसम विभाग की ओर से लोगों को चेतावनी भी जारी की गई है कि भयंकर लू के हालात में बहुत जरूरी होने पर ही लोग घर से बाहर निकलें। वहीं डॉक्टरों ने सलाह दी है कि लोग दोपहर के वक्त घरों से निकलने से बचें। बहुत जरुरी हो तो अच्छी तरह से पानी पीकर और खुद को ढककर ही निकलें।

यूपी पालीटेक्निक: आवेदन प्रक्रिया की तिथि बढ़ी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। पालीटेक्निक संस्थानों में दाखिले के लिए चल रही ऑनलाइन आवेदन की प्रकिया अब 30 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। अभी तक 17 अप्रैल तक ही समय सीमा तय थी। शुक्रवार को संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद की ओर से इसके निर्देश जारी किए गए। राजकीय, अनुदानित एवं निजी क्षेत्र की पालीटेक्निक संस्थानों के डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में शैक्षिक सत्र 2022-23 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन/ सीबीटी (कंप्यूटर बेस टेस्ट) प्रवेश परीक्षाएं छह से 10 जून तक विभिन्न जनपदों में आयोजित की जाएंगी।

दरअसल, राजधानी सहित प्रदेश भर में 154 राजकीय, 19 अनुदानित व निजी क्षेत्र में 1190 पालीटेक्निक संस्थान संचालित हैं। इनमें 2, 35,464 सीटों पर प्रवेश के लिए ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा आयोजित होनी है। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया 15 फरवरी से चल रही है। चूंकि अभी हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं बाकी हैं इसलिए विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन का मौका बढ़ा दिया गया है। गौरतलब है कि बीते शैक्षिक सत्र में 302066 ऑनलाइन आवेदन आए थे। इनमें से 1,31,619 छात्र-छात्राओं ने दाखिले लिए थे।

संतान प्राप्ति के लिए सगे भतीजे की दे दी बलि

» तंत्र क्रिया के चक्कर में दिया वारदात को अंजाम

» तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

अमरोहा। संतान प्राप्ति के लिए आरोपियों ने अपने सगे भतीजे की ही बलि दे दी। पुलिस ने खुलासे के बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। टिंकू की हत्या तंत्र-मंत्र के चक्कर में की गयी थी। इस हत्याकांड में मदन व उसकी पत्नी ही नहीं बल्कि सास-ससुर व अन्य ससुराल पक्ष के लोग भी शामिल हैं।

पुलिस क्षेत्राधिकारी सतेंद्र सिंह ने बताया कि टिंकू के सगे चाचा मदन की शादी लगभग ढाई साल पहले रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव रझोहा निवासी पिंकी के साथ हुई थी लेकिन अभी तक कोई संतान पैदा नहीं हुई। ऐसे में मदन को ताने भी मारे जाते थे। इसके बाद मदन की सास कुसुम देवी व ससुर चमन ने बच्चे के लिए तंत्र क्रिया का सहारा लिया। तंत्र क्रिया में बलि देने के लिए मदन अपने ही सगे भाई संजय के बेटों पर नजर रखने लगा। चैत्र माह में तांत्रिक द्वारा बच्चे की बलि की बात कही गई इसलिए मदन ने अपने चचेरे भाई विपिन को पांच लाख रुपये में सुपारी देकर पांच अप्रैल की शाम को टिंकू को अगवा कर खेत पर ले जाकर उसकी हत्या कर दी। सीओ ने बताया कि जिस समय टिंकू की हत्या की गई उसी समय ससुराल में सास तंत्र क्रिया करवा रही थी। इस हत्याकांड में मदन, उसकी पत्नी पिंकी, चचेरे चाचा विपिन, सास कुसुम, ससुर चमन को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने हत्यारोपित चाचा मदन, उसकी पत्नी पिंकी व चचेरे चाचा विपिन को जेल भेज दिया।

विवाद में हिस्ट्रीशीटर को पीट-पीटकर मार डाला, दो गिरफ्तार

4पीएम न्यूज नेटवर्क

अंबेडकरनगर। बसखारी थाना के घेरवा मरौचा गांव में आपसी विवाद के दौरान हुई मारपीट में हिस्ट्रीशीटर शेर बहादुर यादव उर्फ मोनू यादव को पीट-पीटकर मार डाला। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद संदीप शुक्ल व दिवाकर तिवारी और छह अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। दोनों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मोनू यादव देर रात दस बजे घर से 500 मीटर दूरी पर शिवतारा नहर की पुलिया पर बैठा था। इसी बीच गांव के संदीप शुक्ल और दिवाकर तिवारी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। मारपीट में मोनू यादव को गंभीर चोटें आईं। अस्पताल में डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक हिस्ट्रीशीटर मोनू यादव के भाई विनय यादव ने दो नामजद तथा छह अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी है।

ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, दो श्रद्धालुओं की मौत

» घायलों को अस्पताल में कराया गया भर्ती

» शीतला देवी मंदिर से पूजा कर लौट रहे थे श्रद्धालु

4पीएम न्यूज नेटवर्क

मैनपुरी। कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार रात औंछा बाईपास मार्ग पर ट्रक की टक्कर से श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि 20 लोग घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ट्रैक्टर-ट्रॉली सवार शीतला देवी मंदिर में नेजा चढ़ाने के बाद वापस लौट रहे थे।

दन्नाहार थाना क्षेत्र के गांव रठेरा निवासी जितेंद्र कुमार पुत्र कश्मीर सिंह शुक्रवार को शीतला देवी मंदिर में नेजा चढ़ाने के लिए आए थे। उनके साथ रिश्तेदार और ग्रामीण भी दो ट्रैक्टरों में सवार होकर आए थे। सभी लोग नेजा चढ़ाने के बाद वापस लौट रहे थे। शुक्रवार देर रात औंछा बाईपास पर तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रैक्टर में टक्कर मार दी। इससे ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित पलट गया। हादसे में जितेंद्र कुमार के भाई सतेंद्र कुमार (40) व अनीता (20) पुत्री नेम सिंह निवासी रठेरा की मौत हो गई। 20 लोग घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दबंग के आगे एसडीएम के आदेश हवा, नहीं लिखी गई एफआईआर

4पीएम न्यूज नेटवर्क

» रोक के बावजूद जारी है अवैध निर्माण

अयोध्या। तारुन ब्लाक के हुसैनपुर गांव में एक दबंग के आगे उपजिलाधिकारी के आदेश भी बेमानी हो गए हैं। आदेश के बावजूद दबंग के खिलाफ एफआईआर नहीं दर्ज की गयी है। वहीं रोक के बावजूद यहां अवैध निर्माण जारी है।

हुसैनपुर गांव में मेकाई पुत्र जेठू जबरन मंसाराम वर्मा की खतौनी की जमीन पर कब्जा जमा रहा है जबकि पीड़ित शासन और प्रशासन के सभी आला अधिकारियों को सूचित कर चुका है कि उसकी जमीन पर दबंग अपना कब्जा जमा रहा है। उप जिलाधिकारी बीकापुर ने इसे संज्ञान में लेते हुए उस पर रोक लगा दी है लेकिन दबंग पुलिस प्रशासन की शह पर अवैध रूप से निर्माण कार्य कर रहा है। यह स्थिति तब है जब उप जिला अधिकारी ने लेखपाल को एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। बावजूद इसके अभी तक एफआईआर नहीं लिखी गई है।

देश में बढ़ती सांप्रदायिकता चिंताजनक

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। देश में लगातार धर्म को लेकर सियासी संग्राम देखने को मिल रहा है। ऐसे में कट्टरता बढ़ती जा रही है, जिसके चलते धार्मिक विवाद बढ़ रहे हैं। सवाल यह है कि इस देश में धर्म को लेकर लोग इतने गुस्से में क्यों हैं? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार परंजॉय गुहा ठाकुरता, हरजिंदर सिंह, राजेश बादल, डॉ. लक्ष्मण यादव, सुशील दुबे, विनोद अग्निहोत्री और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सुशील दुबे ने कहा, अब तो चद्दर भी भगवा है, सन्यांसी भी भगवा है। धर्म संसद में कालीचरण जैसा संत गांधी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहा है। असीमानंद जैसे लोग जहर फैला रहे हैं। ऐसे लोगों को तुरंत जेल में डालना चाहिए।

हरजिंदर सिंह ने कहा, ऐसी स्पीच देकर ये लोग राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आ जाते हैं। एक स्पीच में उनको करियर दिख रहा है। देश में बढ़ती सांप्रदायिकता चिंताजनक है। परंजॉय गुहा ठाकुरता ने कहा ये बहुत ही गंभीर मुद्दा है। आज हिंदू, हिंदू राष्ट्र चाहता है जबकि मालिक सबका एक है, नाम अलग-अलग है। आज भी हमारे देश में बहुत से लोगों को नहीं मालूम राष्ट्रभाषा और राजभाषा क्या है। आज जो भारत का परिवेश है, जिसे लोग दूषित कर रहे हैं। आज हम सब इसके खिलाफ नहीं लड़ेंगे तो कई साल पीछे चले जाएंगे।

डॉ. लक्ष्मण यादव ने गुहा की बात का समर्थन करते हुए कहा अंधेरे वक्त में भी हम सब लड़ाई लड़ेंगे, यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने रविदास और कबीर के दोहों से मुद्दे पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा मन चंगा तो कटौती में गंगा कहां चला गया राष्ट्रवाद में।

राजेश बादल ने कहा, मेरे लिए आज भी कण-कण में भगवान है। दो हैं नहीं, आप माने न माने। राम का अस्तित्व जब अयोध्या में मंदिर नहीं बना था तो क्या नहीं था। राम कह लीजिए, खुदा कह लीजिए प्रतीक तो एक ही है, उसी धारणा के आधार पर हम बड़े हुए हैं पर आज जो दौर दिख रहा है, जो नहीं दिखना चाहिए ये दुखद बात है। इस दौरान विनोद अग्निहोत्री भी परिचर्चा में शामिल हुए।

एमएलसी चुनाव: दिग्गजों ने किया मतदान

फोटो: सुमित कुमार

लखनऊ। विधान परिषद चुनाव के लिए लखनऊ में बनाए गए सभी मतदान केंद्रों पर वोटिंग जारी है। क्षेत्र पंचायत मलिहाबाद, बख्शी का तालाब, चिनहट, काकोरी, सरोजनीनगर, गोसाईगंज, मोहनलालगंज, नगराम और हजरतगंज स्थित नगर निगम कार्यालय में केंद्र बनाए गए हैं। लखनऊ में कुल मतदाताओं की संख्या 4018 है। राजधानी में पांच जोनल और 10 सेक्टर मजिस्ट्रेट, वहीं उन्नाव में छह जोनल और 17 सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। साथ ही 27 माइक्रो प्रेक्षकों की तैनाती भी की गई है। हालांकि अभी तक लखनऊ समेत सभी जिलों में शांतिपूर्ण मतदान हुआ है। वहीं प्रदेश के अन्य जिलों में भी मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण जारी है। योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, नीरज बोरा, मेयर संयुक्ता भाटिया, राजेश्वर सिंह व आशुतोष टंडन सहित कई दिग्गजों ने एमएलसी चुनाव में मतदान किया।

फोन नहीं उठाने वाले इंजीनियरों और कर्मचारियों पर होगी कार्रवाई: शर्मा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

24 घंटे संबंधित समस्याओं का होगा निस्तारण

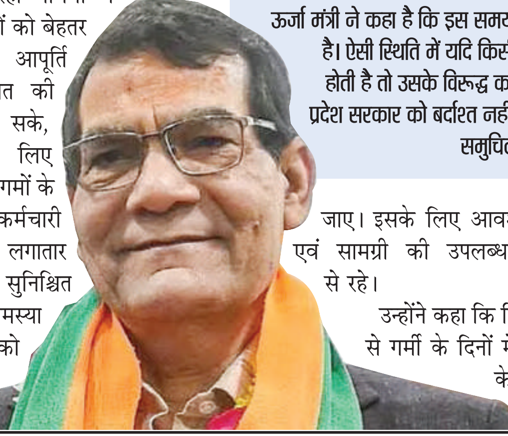

लखनऊ। बिजली विभाग में उपभोक्ताओं का फोन नहीं उठाने वाले इंजीनियर और कर्मचारियों पर कार्रवाई होगी। ऊर्जा मंत्री ने आदेश जारी किया है कि किसी भी इंजीनियर और कर्मचारी का फोन बंद नहीं होना चाहिए। विभाग की तरफ से उनको मिलने वाला सीयूजी नंबर 24 घंटे चालू रहेगा। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने यह भी आदेश जारी किया है कि उपभोक्ताओं की शिकायतों का निस्तारण जल्द करना होगा।

उन्होंने विद्युत वितरण निगमों के प्रबंध निदेशकों को निर्देशित किया है कि निर्धारित शिड्यूल के अनुरूप प्रदेश के हर क्षेत्र को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा सभी संबंधित अधिकारी विद्युत व्यवस्था की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए रात्रि पेट्रोलिंग करें। साथ ही अपना मोबाइल 24 घंटे चालू रखें, जिससे विद्युत शिकायतों आदि की सूचनाएं उन्हें समय से प्राप्त हो सके। उन्होंने उपभोक्ताओं से प्राप्त शिकायतों पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। ऊर्जा मंत्री ने कहा है कि बढ़ रही गर्मियों में प्रदेशवासियों को बेहतर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके, इसके लिए वितरण निगमों के अधिकारी एवं कर्मचारी अपने स्तर से लगातार मॉनिटरिंग कर यह सुनिश्चित करें कहीं कोई समस्या आती है तो उसको तत्काल ठीक किया जाए। इसके लिए आवश्यक गैंग एवं सामग्री की उपलब्धता पहले से रहे।

उन्होंने कहा कि विशेष रूप से गर्मी के दिनों में बिजली के तारों के टूटने की वजह से फसलों के नुकसान की घटनाएं प्रकाश में आ रही हैं। ट्रांसफार्मर का लोड बढ़ने की वजह से इसके क्षतिग्रस्त/फूंकने की समस्याओं से निर्बाध विद्युत आपूर्ति में बाधा हो रही है। इन सभी बिन्दुओं पर विभागीय अधिकारी/कर्मचारी विशेष सतर्कता बरतते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

उपभोक्ताओं का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं

ऊर्जा मंत्री ने कहा है कि इस समय प्रदेश में गर्मी के कारण विद्युत मांग में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। ऐसी स्थिति में यदि किसी कार्मिक का मोबाइल बन्द होने या न उठाने की शिकायत प्राप्त होती है तो उसके विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। उपभोक्ताओं का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर प्रदेश सरकार को बर्दाश्त नहीं होगा। प्रदेश सरकार की मंशा है कि उपभोक्ताओं को बिजली की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित हो, इसके लिए लगातार प्रयास किए जाएं।

शमशुद्दीन बने बसपा के जोनल प्रभारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव में करारी हार के बाद अब बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने पार्टी के ढांचे में बदलाव शुरू कर दिया है। मायावती के निर्देश पर शमशुद्दीन राइन को जोनल प्रभारी बनाया गया है। जिलाध्यक्ष रामेश्वर चौधरी बब्लू ने बताया कि राइन कानपुर, लखनऊ, चित्रकूट और झांसी मंडल के प्रभारी होंगे।

इस टीम में लालाराम आहिरवाल (झांसी), ब्रजेश जाटव (जालौन), संघप्रिय गौतम (औरैया) हैं। इनकी नियुक्ति पर पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने इस मनोनयन पर हर्ष व्यक्त किया है। बता दें कि इस बार के विधानसभा चुनाव को बहुजन समाज पार्टी को सिर्फ एक सीट मिली थी। यह जीत बसपा को बलिया की रसड़ा विधानसभा सीट पर मिली। वहां से बसपा के टिकट पर उमाशंकर सिंह ने तीसरी बार जीत हासिल की। हालांकि यह जीत भी कड़े संघर्ष के बाद 6585 मतों से मिली थी। उमाशंकर सिंह को 87345 वोट मिले।

मतदान के बाद बोले शिवपाल यादव
अच्छे दिन आने वाले हैं

» सपा से नाराज चल रहे प्रसपा प्रमुख के बयान पर लगायी जा रही हैं सियासी अटकलें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की खाली हुई 36 में से 27 सीट पर आज सुबह आठ बजे से वोटिंग जारी है। इटावा के जसवंतनगर से समाजवादी पार्टी के विधायक शिवपाल यादव ने अपने बेटे आदित्य यादव के साथ मतदान किया। इसके बाद उन्होंने कहा एमएलसी का चुनाव गुप्त तरीके से होता है इसलिए उन्होंने भी गुप्त मतदान किया है, जिसको वोट दिया है वह जीतेगा।

समाजवादी पार्टी के निष्पक्ष मतदान के सवाल पर उन्होंने कहा कि मुझे तो कहीं भी नहीं दिख रहा है कि मतदान में भेदभाव हो रहा है। मतदान तो सही हो रहा है। शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि जल्द ही अच्छे दिन आने वाले हैं। इसी दौरान आगे के कदम के बारे में पूछने पर शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि बहुत जल्दी उचित समय आएगा। अपनी मुस्कुराहट को लेकर के उन्होंने कहा कि बहुत ही जल्दी आपको सूचना मिल जाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले रामगोपाल यादव ने कहा था कि अगर इसमें निष्पक्ष वोटिंग हो जाएगी तो समाजवादी पार्टी सभी सीटों से विजय प्राप्त करेगी।

फोटो: 4पीएम

कन्या पूजन लखनऊ। नवरात्रि में अष्टमी-नवमी का विशेष महत्व होता है। इसी क्रम में आज अष्टमी पर्व पर चौक के काली बाड़ी मंदिर में योगी सरकार में रहे पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा ने पूजा-अर्चना की। कन्या पूजन किया। कन्याओं से आशीर्वाद लिया। साथ ही उन्हें उपहार भी बांटे। इसके अलावा वहां पत्रिका का भी विमोचन किया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।